अलबेलो श्रृंगार | by Padma Sahu

खुली हवा में महक श्याम की भक्तों को है लाइ
कीर्तन की है रात सभी के कष्ट मिटाने आई
सारे जग में होते चर्चे श्याम तेरी महफ़िल के
दरबार सजा के श्याम की हमने भी है ज्योत जलाई

अलबेलो श्रृंगार करके श्याम दमके
सबको पालनहार बैठ्यो बन ठन के

महके रे श्रृंगार तन पे फूल बन के
सावँरे को पाकर सारे फूल चमके
खाटू को सरकार बैठ्यो बन ठन के
सबको पालनहार बैठ्यो बन ठन के

कानन कुण्डल हार गले में खूब चमके
मोती चमके रे नगीना चमके
कलयुग को अवतार बैठ्यो बन ठन के
सबको पालनहार बैठ्यो बन ठन के

हारे के सहारे बाबा जन जन के
खाटू से खुलते हैं रास्ते जीवन के
भक्तां को लखदातर बैठ्यो बन ठन के
सबको पालनहार बैठ्यो बन ठन के

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b2%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%83%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-padma-sahu/